Report

Geographical Survey of Kairu

IN PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENT FOR THE AWARD OF MASTERS DEGREE IN GEOGRAPHY

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

SETH G.B. PODAR COLLEGE

NAWALGARH (RAJASTHAN)

PANDIT DEENDAYAL UPADHYAYA SHEKHAWATI UNIVERSITY, SIKAR

SUBMITTED BY

ANIL SHARMA

M.A./M.Sc. PREVIOUS

SESSION: 2021-22

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

SETH G.B. PODAR COLLEGE, NAWALGARH

CERTIFICATE OF COMPLETION

GEOGRAPHICAL SURVEY

In Partial Fulfillment of The Requirement For The Award of Masters Degree In Geography (M.A/M.Sc.)

Presented To

Anil Kumar [redacted] SHARMA

For Completing Geographical Survey of

Kairu

Prof. Shantilal Joshi
Head of Department

Dr. Satyendra Singh
Principal

Principal
Seth G.B. Podar College
Nawalgarh - 333042

सेठज्ञानीरामबंशीधरपोदारमहाविद्यालय नवलगढ़

सत्र 2021–22

पंडितदीनदयालउपाध्याय शेखावाटीविश्वविद्यालय सीकर

भौगोलिक क्षेत्रीय अध्ययन रिपोर्ट

निर्देशक

सुनिल कुमार

भूगोलविभागाध्यक्ष

सर्वेक्षणकर्ता

नाम–अनिलकुमार शर्मा

एम.ए./एम.एस.सी. प्रिवियस(भूगोल)

विषय सूची

1.	परिचय
2.	भौगोलिक स्थिति
3.	भौतिक स्वरूप
3.	अपवाह तंत्र
4.	जलवायु
5.	सिंचाई के साधन
6.	मिट्टी
7.	प्राकृतिक वनस्पति
8.	खनिज सम्पदा
9.	जनसंख्या
10.	अधिवास
11.	स्वास्थय सुविधाएं
12.	शिक्षा का स्तर
13.	कृषि
14.	प्रमुख मेले व त्यौहार
15.	प्रमुख तीर्थ व पर्यटन स्थल
16.	उद्योग धन्धे
17.	पशु सम्पदा
18.	संचार व मनोरजन के साधन
19.	परिवहन के साधन
20.	ग्रामिण विकास की नवीन योजनाएं
21.	गॉव की समस्याएं
22.	गॉव के विकास हेतू सुझाव
23.	निष्कर्ष

MAP OF KAIRU

मीणा की
दुकान, कैरू
Kairu
Smrat Studio and
smrat DJ doomra
Kanau
हनुमान जी का
मंदिर, कैरू
Kaushal kirana
janral store
Lunayach
m House
Chhau-Bugala Rd
Chhau-Bugala Rd
Chaki stend
il Petrol Pump
इंडियन ऑयल
पेट्रोल पम्प

कृषिः–

अध्ययन क्षेत्र मेंप्रमुख रूप से रबी खरीफ की फसलेंउत्पन्न की जातीहैतथागांव के आसपासछोटेमैमानेपरजायदा की फसलेंभीविकसितकिजारहीहै।रबी की फसल के अन्तर्गतगेंहू, जौ, सरसों, मैथी, तारामीरातथा खरीफ की फसल के अन्तर्गतबाजरा, चोला, मुंग व गवार एवंज्वारतथाजायदाकिफसल के अन्तर्गततरबूज, खरबूजा, ककड़ी, टिन्डा, भिन्डीइत्यादिविकसीतकियेजातेहैवर्तमान समय मेंइनफसलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिकतकनिकीतथापद्वतियोंपरआधारितफसलेउगायीजातिहैरबी की फसलअक्टुबरनवम्बरमेंबोईजातिहैतथासिंचाई का कार्यकुए, नलकुप के द्वाराकियाजाताहै। खरीफ की फसलजुलाई, अगस्तमेंबोईजातिहैतथाअक्टुबरमेंकाटलीजातिहै इस की फसल की पैदावारवर्षापरनिर्भरहैपरन्तुवर्षा समय परनाहोनेपरतथावर्षाजातिहैजायदा की फसलकोपानी की आपूर्तिसिंचाई के साधनों द्वारा की जातिहैजायदा की फसल की बुआईरबी की फसल के पश्चात की जातिहै ये फसलपूर्णतः सिंचाईपरआधारितहोने के कारणछोटेपैमानेपरविकसीत की जातीहै।उपयोगतथाअन्य रसायनों का उपयोगकियाजारहाहै। बढ़ती हुईआबादी के दबाव से मृदाअनुपजाऊ खारीयकरणतथाकईअन्य समस्याओं से ग्रसितहोतीजारहीहै इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामपंचायतस्तरपरमिट्टी की बार–बारजांच व परिक्षणकरवायाजाताहै कृषकोंकोमिट्टी की उवर्वरताबनायी रखने के लिए नई–नईतकनिकी व पद्वतियों से अवगतकरायाजाताहै।

तालिका संख्या–1

क्र.सं.	गांव	कुएँ	नलकुप	हैण्डपम्प	कुलयोग
1	कैरु	75	26	7	108
2	डुमरा	67	16	5	88
3	नवलडी	50	11	4	65
	कुल	192	53	16	261

उपरोक्तआंकड़ो की सहायता से मिश्रितरेखाचित्र द्वाराइनकानिरूपणकियाजासकताहैः–

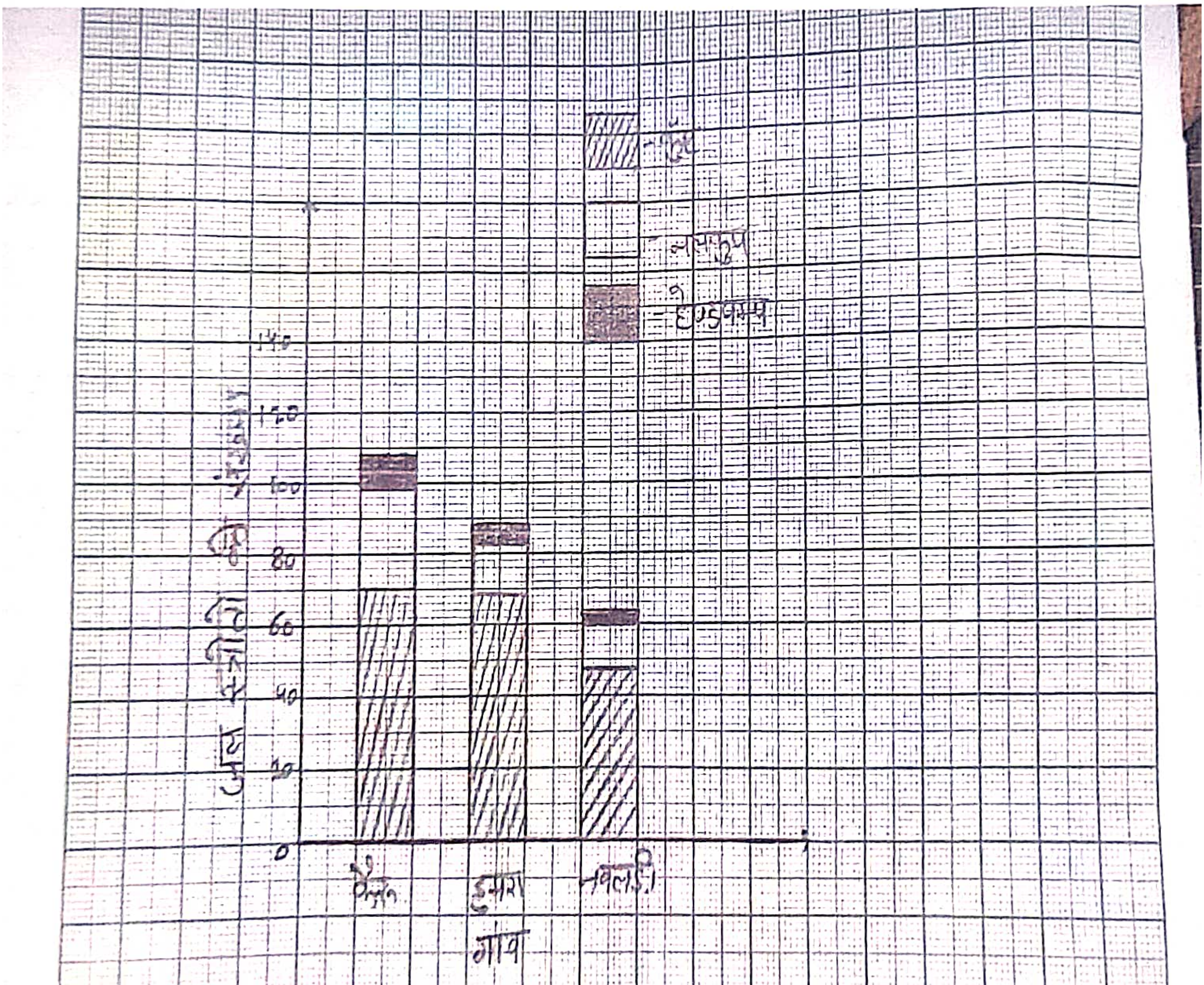

जनसंख्याः—

कैरुगांवमेंसंघनजनसंख्या का जमावपायाजाताहैआबादी क्षेत्र मेंजनसंख्या वितरणअधिकतथाबाहरीभागोंमें (खेतों में) जनसंख्या का वितरण कम है यहांकिकुलजनसंख्या 36450हैजिनमें से एस.सी के लोग 2870 एस.टी के 2087तथाअन्य लोगों की संख्या 2961है। इस गॉवमेंपाईजानेवालीजनसंख्या का वितरणनिम्नतालिकमेंदियाजारहाहैः—

तालिका संख्या 2

क्र सं.	गॉव का नाम	S.C	S.T	अन्य लोग	कुलजनसंख्या
1	कैरु	2050	2720	1201	5971
2	डुमरा	970	852	1020	2842
3	नवलडी	850	515	740	2105
	योग	3870	4087	2961	10918

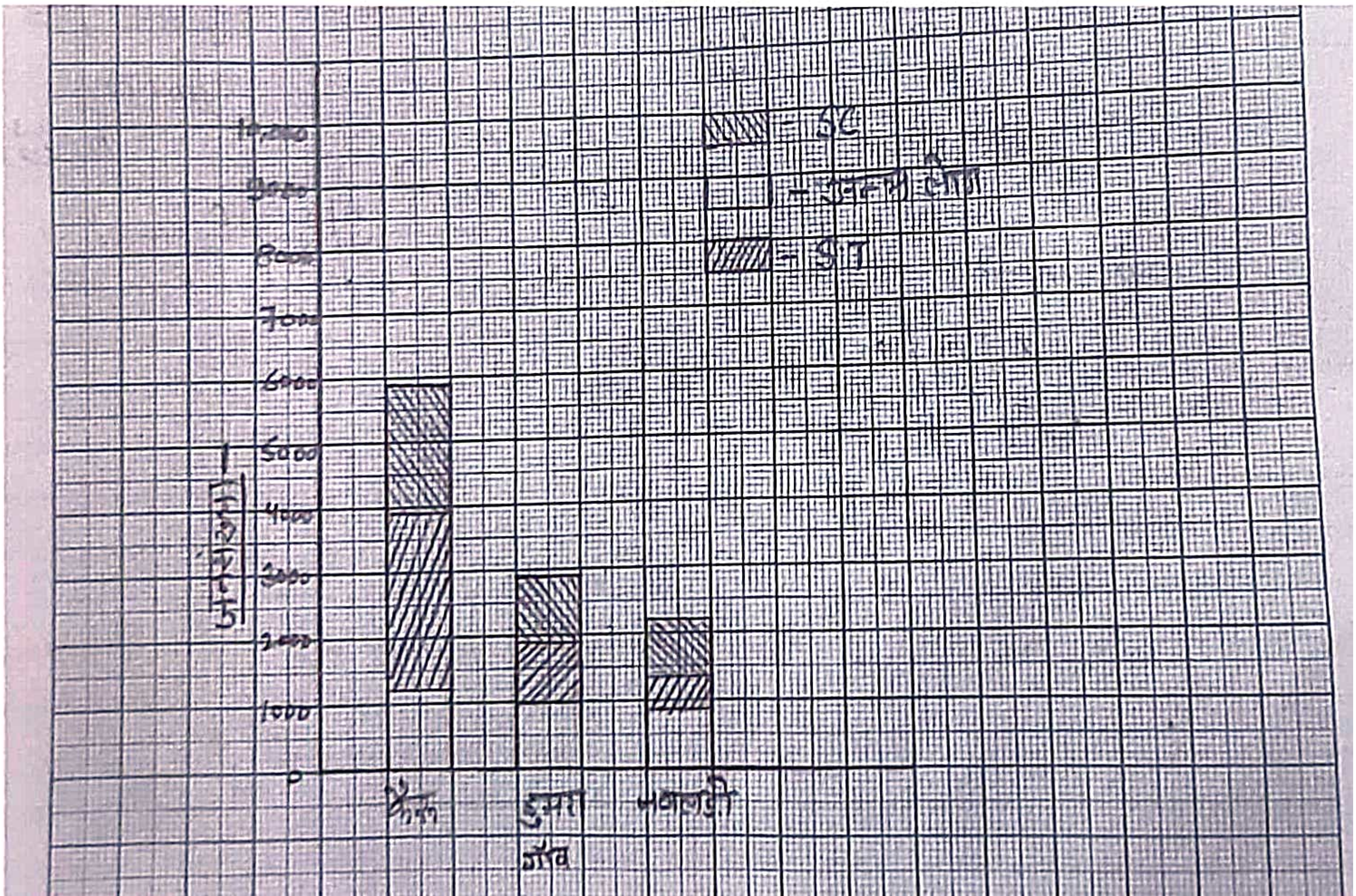

अधिवासः–

कैरु गॉवमेंअधिवासों का प्रमिरूपचौकपट्टीनुमाहै ।इसकेसाथ–साथकुछ घरतीरनुमाप्रतिरूप का मिक्षितप्रतिरूपमेंभीबसेहुए है ।कैरु बस स्टैण्ड सेनवलगढ़ तकसीधा मार्गहैतथा इस मार्ग के दोनोंकिनारोंपर घरबनेहुए हैंतथामस्जिद, नवलगढ़ हवेलियोंतथाग्रामपंचायत के चारोंऔरवृताकार रूपमें घरबनेहुए हैंअधिकांश घरसीमेन्टकंकरिटतथालोहे के मिश्रण से निर्मितपक्केअधिवासहैपरन्तुकुछ संख्या मेंगरिबीरेखा से निचेजीवने यापनकरनेवालेलोगों की संख्या 115 हैजिनके घरकच्चीईटों से निर्मितहै इस गांवमें 1 मंजिल से लेकरबहूमंजिलतकइमारतेबनीहुईहै। यहां की हवेलियां, गढ़, छतरियांतथामन्दिरपुरानीतकनीकोंविधियोंपरआधारितहैजिनकीचित्र शैलीओरविधि शैलीअद्भूतहैजलवायू का घरों की बनावटतथाप्रकामेंविशेष ध्यान रखा गयाहै ।गांवमें 20 प्रतिशतपक्केमकान 15 प्रतिशत अर्द्व पक्केमकानतथा 5 प्रतिशतकच्चेअधिवासनिर्मितहै ।तथाकैरुगांवमेंकोईभीअधिवास योग्य नहींस्वीकृतहुआहै यह स्थितिवर्ष 2015–16 मेंफरवरीमाहतक की है।

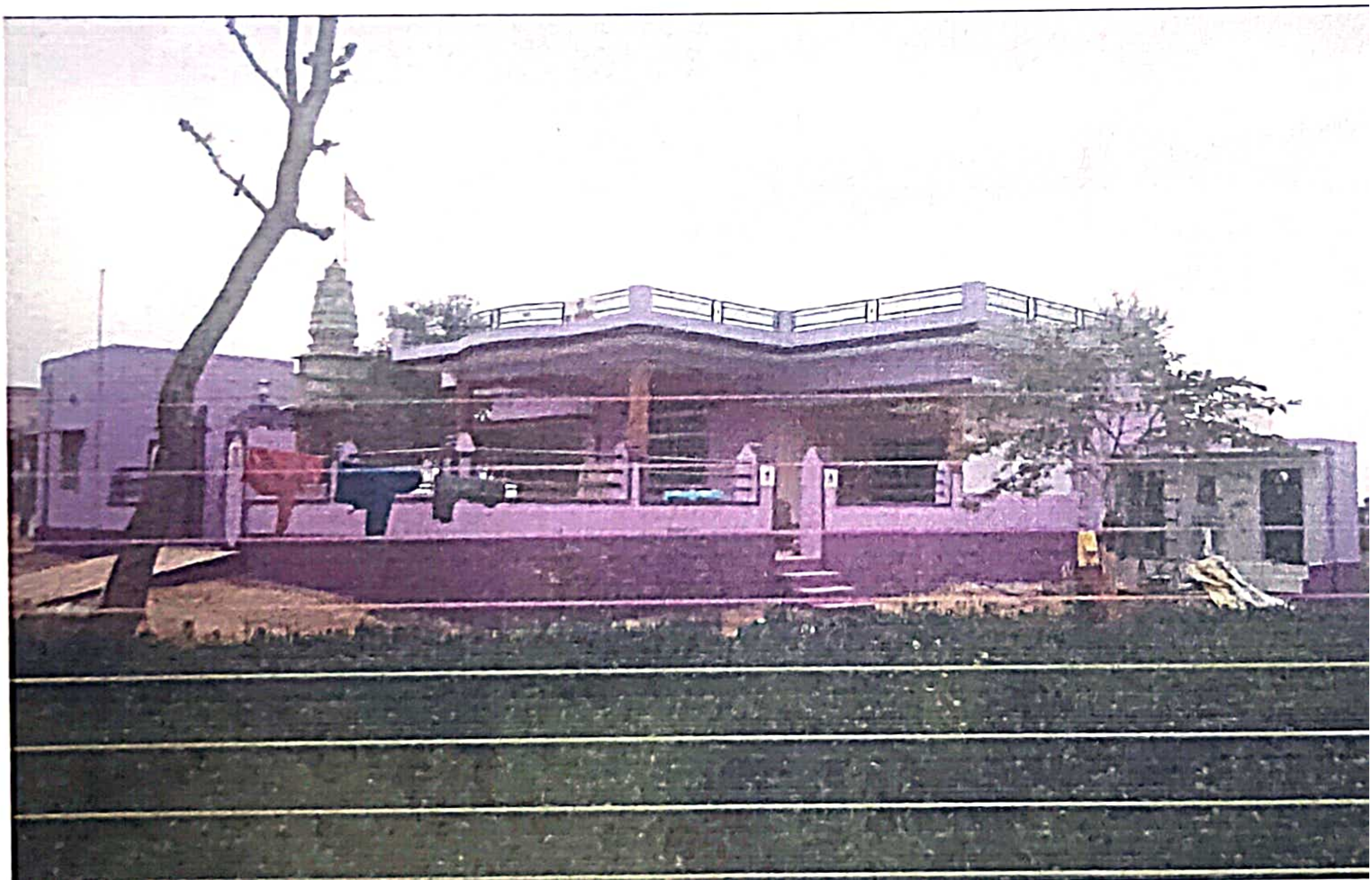

स्वास्थ्य सुविधाएं:–

कैरु गांवमेंसरकारीतथागैरसरकारीस्तरपरकईस्वास्थ्य केन्द्रबनेहुए है।सरकारीहॉस्पिटलमेंप्रतिदिनलगभग 70 मरीजों का इलाजडॉ. भास्करबी. रावल द्वाराकियाजाताहैजबकिप्राथमिकउपस्वास्थ्य केन्द्रमेंडॉ. निर्मलादेवी द्वारालगभग 50 मरिजों का इलाज व दवाईवितरित की जातीहै। यहांपरटीकाकरण की भीव्यवस्थाहै।कैरुगांवमें एक प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र, एक गोयनकानिजीस्वास्थ्य केन्द्रस्थितहैजहांपरप्रतिदिनमौसमीबिमारियों का इलाज के लिए आस–पास के लोगआतेरहतेहै इनके द्वाराटि.बी. टाइफाइड व फेफड़ों से सबन्धितरोगों का निदानकियाजाताहै।

पशुओं के लिए भी एक पशुचिकित्साकेन्द्रस्थापितहैगाय, भैंस, ऊंट, बकरी,भेड़ का इलाज इस प्रकारकियाजाताहै। इस केन्द्रमेंटिकाकरणकृत्रिम गर्भादानतथामौसमीबिमारियों की रोकथामहेतुइलाजकियाजाताहै।गांवमेंस्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्तसुविधाएंहैप्राथमिकस्वास्थ्य केन्द्र की संख्या 1 तथाउपस्वास्थ्य केन्द्र की संख्या 1 हैऔरइसीप्रकारपशूचिकित्सालय 1 है।

प्राकृतिकवनस्पतिः—

अध्ययन क्षेत्र मेंप्राकृतिकवनस्पति का विवरणबहुतही कम हैतथावनस्पति की सघनता कम होने के साथ—साथ यहांपरऊष्णकटिबधीय गुणवालीवनस्पतिपाईजातिहै।चूंकिकैरुगांव अर्द्ध शुष्कजलवायू के अन्तर्गतस्थितहोने के कारण इस क्षेत्र में अर्द्ध शुष्क या अर्द्ध मरूस्थलीय वनस्पतिपाईजातिहैप्राकृतिकवनस्पति के विकासमेंजलवायूतथामृदा का महत्वपूर्ण योगदानहोताहैदस क्षेत्र के अन्तर्गत खेजड़ीबबूलकंटिलीझाड़ियां नीम, सीसम, बरगद, शहतूत, नींबू, पपीता, अमरूद, इत्यादिफलोंवालेपौधेभीउपलब्ध है।वर्तमान समय में यहांपरबागवानीपौधों के विकासपर ध्यानदियाजारहाहैंपरिणामतः घरोंतथा खेतोंमेंबड़ेपैमानेपरफलदारपौधेंविकसितहोरहेहै। यहापतझड़ वृक्ष भीउपलब्ध हैजोग्रीष्म ऋतुआने से पूर्वहीअपनेपतेगिरादेतेहैचूंकि अध्ययन क्षेत्र मेंचारागाह का कोई क्षेत्र चिन्हितनहींकियागयाहै।

शिक्षा का स्तरः–

कैरु गांवमेंशिक्षा की दृष्टि से अच्छावातावरणबनाहुआहैप्राचिनकालन से ही यहांपर शैक्षणिकदृष्टि से राजकीय सीनीयरसैकण्डरीस्कूलकैरुसंचालितथी।इसकानिर्माणकैरु गांव के प्रसिद्व सेठरामचन्द्रराजकीय द्वाराकरवायागयाथावर्तमान समय मेंशिक्षा का स्वरूपबदलगयाहै यहांसी.बी.एस.सी से मान्यताप्राप्त1स्कूलोंतथा2मीडिलस्कूलों, 4प्राईमरीस्कूलनिजी क्षेत्र भी शामिलहै यह क्षेत्र डिग्री, शिक्षा तथाप्रशिक्षणपाठ्यक्रमउपलब्ध कराने के साथ–साथतकनीकीशिक्षा मेंभी अग्रणी बनाहुआहैइसीकारण क्षेत्र मेंआस–पासलोगआकर अध्ययन करतेहैतथा अध्ययनरतविधार्थियों के लिए उतमगुणों के छात्रावासों की व्यवस्थाबनीहुईहैं।

उधोग धन्धेः–

कैरु गांव के वार्डनम्बर 3 मेंसर्वेक्षण के आधारपरकोईभीबड़ा उधोग धन्धा नहींथा। यह गांवहोने के कारणछोटी–छोटीचुड़ियों की दुकानेतथाचुड़ियों का कार्य घरोंमेंकियाजाताहैइनचूड़ियों की कीमत 100 से 5000 रूपयेतकहैचुड़ियोंलाख द्वारानिर्मितहोतीहैतथाइनपरविभिन्नप्रकार की डिजाइनतथातरासकरआधुनिक रूप दे दियाजाताहैजोसुन्दरता की दृष्टि से अच्छीलगतीहैइसकेसाथ–साथ इस क्षेत्र मेंदवाईयों की दुकानेंस्थितहै।गॉवमें एक ऑयल मिल भीस्थितहैवहभीवर्तमान समय में बंद कीस्थितिमेंहै।

पशुसम्पदाः—

कैरु गांवपशुसम्पदा की दृष्टि से शेखावाटीमेंअपनामहत्वपूर्णस्थान रखताहै यहांपरउतमनस्ल की गायें, भेड़,बकरी, ऊट, गधेपायेजातेहै।कैरु गांव केपासडूण्डलोदगांव का अश्वप्रजननकेन्द्रतथाकामधेनूगौशालाअपनाविचित्र स्थानलियेहुए हैकामधेनुगौशाला की स्थापनावर्ष 2008—09 मेंबुद्धगिरी ट्रस्ट फतेहपुर द्वाराकियाजाताहै। यह गौशाला 40 बिघा क्षेत्र मेंफैलीहुईहै। इस गौशालामें एक ट्यूबवेल व नलकूपबनाहुआहैजोगायोंकोपानीतथाचारा

प्रमुख तीर्थ व पर्यटनस्थलः–

कैरु गांव केपास नवलगढ़ शहरपर्यटन की दृष्टि से शेखावाटीमेंमहत्वपूर्णस्थान रखताहै इस शहरमेंपर्यटन एवं ऐतिहासीकस्मारकों की दृष्टि से विभिन्नहवेलियोंतथानवलगढ़ शहरको देखने के लिए विदेशों से बड़ी संख्या मेंपर्यटकआतेरहतेहैंनवलगढ़ शहर का गढ़ मुख्य आकर्षण का केन्द्रहैजिनकेचारोंओरनहरबनीहुईहैतथा यह लगभग 8 हैक्टरमेंफैलाहुआहै इस गढ़ मेंविशेषतौर से दिवान खास, सूर्य घड़ीतथादु–छतामहत्वपूर्णहै।

दिवाना खासमेंराजातथारानीयांनिवासकरतीथी, तथादु–छतामेंअनेकभितिचित्र तथारानीयों के सजावट की सामग्री एकत्र है।सूर्य घड़ीअबभीसामान्य घड़ियों की भांती समय का सही निर्धारणकरपातीहै। इस गढ़ मेंकईफिल्मेंतथासीरीयलबनायेगयेहै।राजा का बाजा, बिनणी वोटदेनीवालीतथाविदाईइत्यादिफिल्मों की शूटिगं की जासकीहैतथाबकरासीरीयलभी यही से फिल्मायागयाहै।

गोयनकाहवेली का म्यूजियमप्राचिनपरम्पराओंतथावेशभूषा एवंअन्य कार्यो के लिए विचित्र शैलीमेंबनाहुआहै यहां श्याममंदिर, ठाकुरजी का मंदिर, संतोषिमाता का मंदिर, हनुमानजी का मंदिरतथापोलोग्राउण्डइत्यादिमहत्वपूर्णपर्यटनस्थलतथा धार्मिकतिर्थस्थलहै।इनसामारिकस्थलों का भ्रमणकरने के लिए हजारोंविदेशीसैलानीआतेरहतेहैं।

संचार व मनोरंजनसाधनः–

किसी क्षेत्र के विकास का परिचायकसंचार एवंमनोरंजन के साधनोंपरनिर्भरकरताहै।चूंकिकैरु गांवमें3मोबाइलटावरजोविभिन्नकंपनियों से संबंधितहै एक पोस्टऑफिसतथा90प्रतिशतलोगों के घरोंमेंटेलिविजनगति के संचार के साधनोंमेंमोबाइलसुविधा उपलब्ध हैगॉव के मध्य में मुख्य पोस्टऑफिसस्थितहैजिसकेअन्तर्गतरजिस्ट्री, स्पीडपोस्ट, सी.टी.सी. तथामनीआर्डर की सुविधा उपलब्ध है।

व्यापार व वाणिज्यः–

गांव की अधिकांश द्वितीयकतृतीयकव्यवसायोंमेंसंलगनहै। इस गांवमेंकृषिपशुपालनआदिआधुनिकतकनीकीपरआधारितहै। इस क्षेत्र के ग्रामवासीभारत के बड़े–बड़ेनगरोंमेंऔधोगिककार्यों से जुड़ेहुए है यहां के सेठ, साहुकारों ने गांव का विकासकरकेगांवमेंऔधोगिकभू दृश्य विकसीतकियाहै। इस गांवमेंबैंकिगसंचारतथाअन्य आर्थिककार्योमेंलोगों की अच्छी रूचीबनीहुईहै। यहां के कृषिउत्पादोंमेंजैविकउत्पादपरविशेष ध्यानदियागयाहैतथापशुपालनअंतराष्ट्रीय स्परपर ख्यातिप्राप्तहै।

परिवहन के साधनः–

किसी क्षेत्र के आर्थिकविकासमेंपरिवहन के साधनों का बहुतबड़ा योगदानहै इनके द्वाराआवश्यक मालकोमांगने, अतिरिक्तउत्पादनकोबाहरभेजने एवंअपने क्षेत्र मेंनवाचारों के आने का महत्वपूर्णकार्यसम्पादितहोताहै।चूंकिकैरुगांवसड़कपरिवहन से जुड़ाहुआहै।

जयपुर–लोहारू राज्य राजमार्गगांव की सीमाको दक्षीण से उतरदिशा की ओरस्पर्शकरताहुआगुजरातहैजोगांवकोअन्य नगरों, कस्बों, जिला मुख्यालयोंतथा राजधानी से जोड़ताहै।गांव के अन्दर10किलोमीटरपक्की सड़क(डामर युक्त) 5किलोमिटरसीमेंटसड़कतथा3किलोमिटरकच्ची सड़क(ग्रेवल रोड़) हैजोगांव की गलियोंकोगांव के चौक से तथाचौककसेअन्य पड़ौसीगांवों से जोड़ने का कार्यकरतीहै।

यातायात के साधनोंमें यहां बस,ट्रक, जीप, कार, मोटरसाईकिल, साईकिल, ऊंटगाड़ी(लगभग 45), बेलगाड़ी(लगभग 13), गधागाड़ी(लगभग 20) तथा घोड़ा गाड़ी(लगभग 5) आदि नये वपूरानेतथातिव्र व मंदगतीवाले यातायात के साधनविकसितहै।

1. गांवमें बढ़ती हुईजनसंख्या तथाप्रदूषण के अन्य कारकोगांव का प्राकृतिकसौन्दर्य व वातावरणपरविपरितप्रभावपड़नेहै।
2. गांवमेंचारागाहों के अभाव के कारण मरूस्थलीकरण की प्रक्रियातेजी से आगे बढ़ रहीहै।
3. वनों के अत्यधिकदोहन के कारण अध्ययन क्षेत्र की जलवायुतथापशुओं के लिए चारागाहोंपरप्रतिकूलप्रभावदृष्टिगतहोरहाहै।
4. अत्यधिकजनसंख्या वृद्धि के कारणगांवमेंगरीबी का स्तर बढ़ने लगाहैवी.पी.एल तथा ए.पी.एल परिवारों की संख्या मेंवृद्धि होनेलगीहै।गांवमें शराब की दुकाने, तम्बाकू व गुटखों की दुकानेजगह–जगहपरबनीहुईहै।जिससेग्रामवासियोंको धुम्रपान की आदतपड़ गयीहै।
5. गांवमेंनालियों की सफाई समय–समय परनहींहोने के कारणगन्दगीफैलतीरहतीहैजिसकेकारणमौसमीबिमारियों का प्रकोपबनारहताहै।
6. कैरुगांवमेंपर्यटकों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जारहीहैजिसकेकारणग्रामवासीदेशीविदेशीसंस्कृतिकोअपनानेलगेहै।फलतः भारतीय संस्कृति एवंपरम्पराअपनाअस्तित्व खोरहीहै।

परिचयः—

कैरु गांवकी स्थापनाठाकुरनवल सिंह बहादुर ने 1737 ई. में की थी।मारवाड़ीसमुदाय के कईमहानव्यापारिकपरिवारकैरुमूल के हैं।इनकीपर्यटन एवंसांस्कृतिककार्योमेंबड़ी रूचीथीतथा इनके चारपुत्र सातरानियाँ थीनवलगढ़ से झुंझुनूमार्गपर 8 किलोमिटरदूरउतरमेंस्थितहै।आजकैरु की दशा व आकृतिमेंनिरन्तरपरिवर्तन देखनेको मिल रहाहै।सामाजिकराजनीतिक व आर्थिकदृष्टि से उभररहाहै।जो शेखावाटीमेंअपना नाम कमापारहाहै। धीरे–धीरेकैरुके समीपहोन से इसकेविकसीतहोनेपर बल मिल रहाहै।नवलगढ़ शहरमेंजनसंख्या का निरन्तरविस्तारहोरहाहैक्योंकि यहांसांस्कृतिक धरोहरपायीजातीहै।जोपर्यटनमें बढ़ोतरीहोरहीहै।जोआर्थिक बढ़ोतरी का स्वस्थबनारहाहै।

कैरुके पूर्वमेंबलरियागांवतथापश्चिममेंबीदसर, कल्याणपुरतथाउतरपश्चिममेंमिर्जवासऔरदक्षिणमेंसीकर स्थितहै।कैरुगांवनवलगढ़ तहसील की प्रमुख ग्रामपंचायतहैं।नवलगढ़ शहरराजस्थान का पहलाशहरथा, जोइंटरनेट की सेवाओं से जुड़ाथातथासर्वप्रथमझुंझुनूजिले के इसीशहरमें यूकोबैंक की स्थापनाहुयीथी इस गांवमेंभारत का प्रसिद्ध मारवाड़ी घोड़े या मालानीनस्ल के घोड़ो का प्रजननकेन्द्रस्थितहै।तथा यहांपरराजस्थान का गदर्भकेन्द्रस्थितहै।

भौगोलिकस्थिति एवंविस्तार–

कैरु का अक्षांशीय विस्तार 27 डिग्री 50 मिनटउतरी अक्षांशतथा 75 डिग्री 15 मिनटउतरीअंक्षाश से 75 डिग्री 20 मिनटपूर्वीदेशान्तर के मध्य स्थितहै।कैरुके उतरतथापश्चिमभागमें मुख्य बाजारस्थितहै। इस गांव की बसावटआयताकार रूपमेंबसीहुईहै।राज्य राजमार्ग 1.5 किलोमिटरअन्दर की ओरस्थितहै। यह मार्गजयपुर से सीकर से होताहुआ, झुझुनू से पिलानी की ओरजाताहै।

भौतिकस्वरूप–

कैरुजलवायु की दृष्टि से कॉपेनमहोदय तथाथार्नवेटमहोदय के अनुसारविभाजितजलवायुवर्गीकरण के अनुसार अर्द्ध मरूस्थलीय क्षेत्र के अंर्तगतआताहै।चुंकि इस गांव का अधिकाशभागमैदानी रूपमेंफैलाहुआहैतथा इस गांव के उतरमेंपश्चिम से उतरदिशा की ओरबालुकास्तुपस्थितहै।चूंकिकैरु के सम्पुर्ण क्षेत्र का 30 भाग मरूस्थलीय टिलोंतथासमतलमैदानीभागहै। इस गांवमेंकोईभीपर्वतीय भु–भागस्थितनहींहै।

अपवाह तंत्र–

कैरुआन्तरिकअपवाह तंत्र के अंन्तर्गतआताहै।इसलिए यहापरनदियों का अभावबनाहुआहै।वर्ष 1965 में खण्डेला की पहाड़ियों से चिराणानदी का पानी इस गांवमेंप्रवाहितहोतीहुईउतरपश्चिममेंनिकलकरराजपुरागांव के निकटपहुँचगयाथाइसकेपश्चात यहांपरकोईभीनदी नही आयीहै।चूंकिनिरंतरवर्षा का औसत कम होने के कारणचिराणानदी इस गांवमेंपहुचने से पहलेहीविलुप्तहोजातीहैछपनयाअकालमेंकान्तलीनदीमेंतेजबहाव के कारण इस नदी का जल इस गांवमेंतेजगति से पहुंचाथाजिसकेकारणझुग्गी–झोपड़ियों व आवासोंकोबड़ानुकसानपहुंचाथाऔर इस नदी का पानीआगेचलकरकटेहबीहड़ तकपहुँचगयाथा, अपवाह तंत्र की दृष्टि से इस गांव का उतर–पश्चिमतथाउतरपूर्वीभागउच्चावच की दृष्टि से उच्चहै।तथादक्षिणी पूर्वी एवंदक्षिणी–पश्चिमीभागनिचाईपरस्थितहै, जिसकेकारणबरसात का पानीतथासीवरेज का पानी इस निचलेभू–भागोंमेंप्रवाहितहोकरइकट्‌ठाहोरहाहै।

जलवायुः–

जलवायु के अन्तर्गततापमान, वर्षा, आर्द्रतातथापवनों की दिशाओं का विश्लेषणकियाजाताहै।अधिकतर क्षेत्र की जलवायुबड़ीविषमतालिए हुए है। इस क्षेत्र के अन्तर्गतवार्षिकवर्षा का औसत 50 सेन्टीमीटरहै।परन्तुवर्षा के यह औसतनिश्चितनहींहै।कभी–कभीवर्षा की मात्रा औसत से न्यूनतमहोजातीहै। इस क्षेत्र मेंअधिकांशवर्षादक्षिणी–पश्चिमीअरबसागरीय मानसुनीपवनों के द्वारासर्वप्रथमहोतीहैजबअरबसागरीय मानसुनअधिकसक्रिय होताहैतोवर्षोअधिकमात्रा मेंहोतीहै, तावर्षो का औसत घट जाताहै।परन्तु यहापर शीतऋतुमेंवर्षाउतरीपूर्वी शीतकालीनमानसुनीहवाओंतथाभूमध्यसागरीय विक्षोभो द्वाराहोतीहै, परन्तुमानसुन द्वारावर्षा की मात्रा कम होजातीहै, जिसेस्थानीय भाषामेंमावठकहतेहैं, मावठरबी की फसल के लिए बड़ीलाभदायकमानीजातीहैमावठ की फसल का सर्वाधिकलाभगेंहूँ की फसलकोहोताहै।

कैरुनवलगढ़ राजस्थान के अर्द्वशुष्कजलवायु क्षेत्र के अंतर्गतआताहैगर्मियों का औसततापमान 49 डिग्रीसेन्टीग्रेडजुनतथामई के महीनेमेंअंकितकियाजाताहै।चूंकि यहापरग्रिष्मकालमेंउतर–पश्चिम से गर्महवाऐंचलासकतीहैजिन्हेंस्थानीय भाषामेंलूकहाजाताहै।इन्हेंतापलहरीहवाएंभीकहाजाताहै।जिन्हेंस्थानीय भाषामेंलू के नाम से पुकाराजाताहै।लू के कारणकभी–कभीलोगोंकिमृत्यूतकहोजातीहै।ग्रीष्मऋतु का आगमनमार्च के बाद यहा का तापमाननिरन्तर बढ़ने लगताहैतथाहवाएंउतर–पश्चिमी से चलनाप्रारम्भहोजातीहैऔरइनहवाओं की गतिमई–जूनमेंअत्यधिकरहतीहै।मई–जूनमेंहवाओं का औसतवेगरहताहै।तापलहरीहवाओं के साथ–साथ धुलभरीहवाएंचलनेलगतीहै।राजस्थानमें धुलभरीहवाओं की सर्वाधिक संख्या गंगानगरमेंतथासबसे कम झालावाड़ मेंतथा इस क्षेत्र मेंअक्टुम्बरतथानवम्बरमेंहवाओं की गतिमंदहोतीहैतथा ये दोनोंमैप शान्तदिनोंवालेकहलातेहै, नवम्बर के बादमेंगुलाबी शर्दी का आगमनहोजाताहैआगेचलकरदिसम्बरजनवरीमेंतापमान 0 डिग्रीसेन्टीग्रेडहोजाताहैतथाकैरुगांव का इस वर्षा का जनवरीमहिनेमें 10 या 11 दिनांककोन्यूनतमतापमान 0.5 सेन्टीग्रेडअंकितकियागया, कभी–कभीतापमान के 0 डिग्री से कम होजानेपरबर्फजमजातीहै।